TESS India

भाषा, साक्षरता और नागरिकता

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

TESS-India (स्कूल-आधारित समर्थन के ज़रिए अध्यापकों की शिक्षा) का उद्देश्य है छात्र-केंद्रित, सहभागी दृष्टिकोणों के विकास में शिक्षकों की सहायता के लिए मुक्त शिक्षा संसाधनों (OER) के प्रावधानों के माध्यम से भारत में प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षकों की कक्षा परिपाटियों में सुधार लाना। TESS-India OER शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। वे शिक्षकों के लिए अपनी कक्षाओं में अपने छात्रों के साथ प्रयोग करने के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं, जिनमें यह दर्शाने वाले वृत्त-अध्ययन भी शामिल रहते हैं कि अन्य शिक्षकों द्वारा उस विषय को कैसे पढ़ाया गया, और उनमें शिक्षकों के लिए अपनी पाठ योजनाएँ तैयार करने के लिए तथा विषय संबंधी ज्ञान के विकास में सहायक संसाधन भी जुड़े रहते हैं।

TESS-India OER को भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किया गया है और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (http://www.tess-india.edu.in)। OER भाग लेने वाले प्रत्येक भारतीय राज्य के लिए उपयुक्त, कई संस्करणों में उपलब्ध हैं और उपयोगकर्ताओं को इन्हें अपनाने तथा अपनी स्थानीय जरूरतों एवं संदर्भों की पूर्ति के लिए उनका अनुकूलन करने के लिए और स्थानीयकरण करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई में कुछ गतिविधियों के साथ निम्नलिखित आइकॉन दिया गया है: *यह दर्शाता है कि आपको विशिष्ट शैक्षणिक थीम के लिए TESS-India के वीडियो संसाधनों को देखने में इससे मदद मिलेगी।*

TESS-India के वीडियो संसाधन भारत में विभिन्न प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में प्रमुख शैक्षणिक तकनीकों का सचित्र वर्णन करते हैं। हमें उम्मीद है कि वे आपको इसी तरह के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। इन्हें पाठ-आधारित इकाइयों के माध्यम से आपके कार्य अनुभव में इज़ाफ़ा करने और बढ़ाने के लिए रखा गया है, लेकिन अगर आप उन तक पहुँच बनाने में असमर्थ रहते हैं तो बता दें कि वे उनके साथ एकीकृत नहीं हैं।

TESS-India के वीडियो संसाधनों को TESS-India की वेबसाइट (http://www.tess-india.edu.in/) पर ऑनलाइन देखा सकता है या डाउनलोड किया जा सकता है। विकल्प के तौर पर, आप इन वीडियो तक सीडी या मेमोरी कार्ड द्वारा भी पहुँच बना सकते हैं।

संस्करण 2.0 LL11v1
Uttar Pradesh

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह यूनिट नागरिकता पर एक विषयगत कक्षा प्रोजेक्ट की योजना बनाने के लिए एक मार्गदर्शक है। यह वर्णित करता है कि किस प्रकार स्कूल के अंदर और बाहर विविध सार्थक, अभिव्यक्तिशील कार्यों में भाग लेते समय छात्रों को समावेशी, चिंतनशील और विचारशील बनने के लिए बढ़ावा देते हुए अनेक परस्पर संबद्ध गतिविधियों की योजना बनाएँ और उनकी निगरानी करें।

आप इस इकाई में क्या सीख सकते हैं

- छात्रों के नागरिकता कौशल को विकसित करने वाली एक विषयगत प्रोजेक्ट की किस प्रकार योजना तैयार करें और व्यवस्थित करें।
- कैसे प्रोजेक्ट के भीतर भाषा-और-साक्षरता आधारित गतिविधियों की एक विस्तृत विविधता को शामिल करने के लिए अवसरों की पहचान करें।
- नागरिकता और भाषा तथा साक्षरता, दोनों के संबंध में अपने छात्रों के अधिगम का निरीक्षण कैसे करें।

यह दृष्टिकोण क्यों महत्वपूर्ण है

एक विषयगत प्रोजेक्ट आपके छात्रों को ऐसे विषयों का पता लगाने के लिए गुंजाइश प्रदान करता है:

- जो उनमें दिलचस्पी जगाए और उन्हें प्रेरित करे
- विभिन्न विषय क्षेत्रों को संयोजित करे
- सुनने, बोलने, पढ़ने और लेखन कौशल को संयोजित करने वाली उद्देश्यपूर्ण सहयोगात्मक गतिविधियों में उन्हें संलग्न करे।

प्रोजेक्ट्स पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक को कल्पनाशील और स्मरणीय रूप से सुधारने का एक तरीक़ा है। नागरिकता केंद्रित प्रोजेक्ट्स में छात्रों के अन्य विश्वासों और विचारों के प्रति उनके सम्मान को विकसित करते हुए समाज के मूल्यों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता पैदा करने का अतिरिक्त लाभ संयोजित है। इस प्रकार, वे मानवाधिकार और कर्तव्य, न्याय, स्वतंत्रता और समानता से संबंधित व्यापक शैक्षिक उद्देश्यों को दर्शाते हैं। इस तरह, वे स्कूली शिक्षा को छात्रों के तात्कालिक जीवन से जोड़ते हैं।

1 भाषा, साक्षरता और नागरिकता के बारे में सोचना

गतिविधि 1: भाषा साक्षरता और नागरिकता के बारे में सोचना

किसी सहकर्मी के साथ, संसाधन 1 पढ़ें। संभव है आप पहले से ही इस दस्तावेज से परिचित हों। जब आप इसे एक बार पढ़ लें, उसे दुबारा पढ़ें, और निम्नलिखित प्रश्नों के लिए अपने उत्तर हेतु नोट्स तैयार करें:

- एक अच्छा नागरिक किस प्रकार का व्यवहार करेगा?
- **किस प्रकार** में स्कूल अपने छात्रों को अच्छा नागरिक बनने की सीख देने में मदद कर सकते हैं?
- छात्रों को अच्छा नागरिक बनने में किस प्रकार की भाषा या साक्षरता कौशल सहायक हैं?

अपने सहकर्मियों के साथ अपने विचारों पर चर्चा करें।

अब अपने विचारों की हमारे विचारों से तुलना करें।

अच्छे नागरिक:

- एक बेहतर समुदाय और दुनिया को योगदान देने के लिए अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग करते हैं
- अपनी चिंताओं को उजागर करने और समाधान प्रस्तावित करने के लिए तैयार रहते हैं
- विचारशील, समावेशी और दूसरों का ध्यान रखने वाले होते हैं
- अपने विश्वास के अनुसार कार्य करते हैं।

स्कूली छात्रों को निम्न के **लिए** अवसर प्रदान करके उन्हें **अच्छा** नागरिक बनने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:

- कठिन मुद्दों को समझने और विश्लेषित करने की सीख
- ऐसे समाधानों की प्रस्तुति जो निष्पक्ष और नैतिक हों
- दूसरों को सुनना
- अपने विश्वास और चिंताओं को सम्मानपूर्वक उजागर करना
- व्यक्तियों के विविध समूहों के साथ सकारात्मक रूप से बातचीत करना।

भाषा और साक्षरता कौशल निम्न में उन्हें सक्षम करके अच्छा नागरिक बनने में छात्रों की मदद कर सकते हैं:

- जानकारी को पढ़ना, समझना, विश्लेषित करना और उसकी व्याख्या करना – चाहे वह **छवि**, भाषण या लेखन स्वरूप में क्यों न हों
- राय से तथ्यों को अलग करना
- प्रमाण को एकत्रित करना और उनका मूल्यांकन करना
- स्पष्ट करना, संक्षेप में प्रस्तुत करना और पूर्वानुमान लगाना
- विषयों पर चर्चा करना, दूसरों के विचार सुनना और अपने स्वयं के दृष्टिकोण को अभिव्यक्त करना
- ऐसे सवाल करना, जो ठोस जवाब प्रकाश में लाए
- दूसरों को उचित तरीक़े से राज़ी करना
- पोस्टर बनाना, पत्र लिखना और याचिकाएँ तैयार करना
- छवि, भाषण और लेखन के माध्यम से विभिन्न दर्शकों को जानकारी प्रस्तुत करना।

हालांकि कई नागरिकता संबंधी विषय गंभीर मुद्दों से जुड़े हैं, तथापि उन्हें सुखद, आकर्षक तरीक़ों से तलाशने की संभावना मौजूद है।

अब आप एक ऐसी शिक्षिका के बारे में पढ़ेंगे जिसने अपनी कक्षा के साथ ग्रामीण समुदाय पर एक परियोजना शुरू की। जब आप इस केस स्टडी को पढ़ेंगे, तब उन भाषा और साक्षरता कौशल पर विचार करें, जो उनके छात्रों में विकसित हो रहे थे और नागरिकता के वे पहलू, जिनके बारे में वे सीख रहे थे।

केस स्टडी 1: हमारा ग्रामीण समुदाय

सुश्री रक्षा उत्तर प्रदेश के एक ग्रामीण स्कूल में पढ़ाती हैं। यहाँ वे उन पाठों की पहली ***श्रृंखला*** *का वर्णन करती हैं, जो 'समुदाय' की अवधारणा पर कक्षा परियोजना का हिस्सा बना, जिसे उन्होंने अपनी छठी कक्षा के छात्रों के लिए संचालित किया।*

पाठ 1: हमारे ग्रामीण समुदाय के बारे में विचार करना

मैंने ग्रामीण समुदाय को गठित करने वाले स्थानों और लोगों के बारे में विचार करने के लिए अपने छात्रों को कहते हुए परियोजना की शुरुआत की। उनकी मदद के लिए, मैंने सरपंच श्री राजेश्री, और दर्जिन श्रीमती **सुषमा** सहित, मंदिर और स्कूल जैसे एक या दो उदाहरण प्रदान किए।

फिर मैंने अपने छात्रों को उनके विचार साझा करने के लिए चार के समूहों में व्यवस्थित किया। 15 मिनट बाद, मैं कक्षा में चारों ओर घूमी, और प्रत्येक छात्र
से सुझाव माँगा। मैंने उनके योगदान को ब्लैक-बोर्ड पर लिखा, और हमने विचार-विमर्श किया कि क्या स्थानों और लोगों को दो अलग कॉलम में सूचीबद्ध करना बेहतर होगा या उन दोनों को एक साथ जोड़ना।

फिर मैंने पत्थर, छड़ियाँ, पत्ते, बीज या उनकी इच्छानुसार इन विशषताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले किन्हीं अन्य चीज़ों का उपयोग करते

हुए, स्कूल के आँगन में ज़मीन पर सामुदायिक नक्शा तैयार करने के लिए कहा।

जब उन्होंने अपना काम ख़त्म किया, तो प्रत्येक समूह ने बाक़ी कक्षा के सामने उनके द्वारा सम्मिलित स्थानों का वर्णन करते हुए – जैसे कि धार्मिक स्थल, बाज़ार, दुकानें, खेत, घर और जल **स्रोत** – और उनसे जुड़े कुछ लोगों के बारे में चर्चा करते हुए अपना नक्शा प्रस्तुत किया। यह बेहद दिलचस्प था, और नक्शे और वर्णनों में काफ़ी विविधता थी। मैंने प्रोजेक्ट के अंश के रिकॉर्ड के रूप में, अपने मोबाइल से प्रत्येक नक्शे का फ़ोटो लिया।

(मेलोन, 2010 से रूपांतरित)

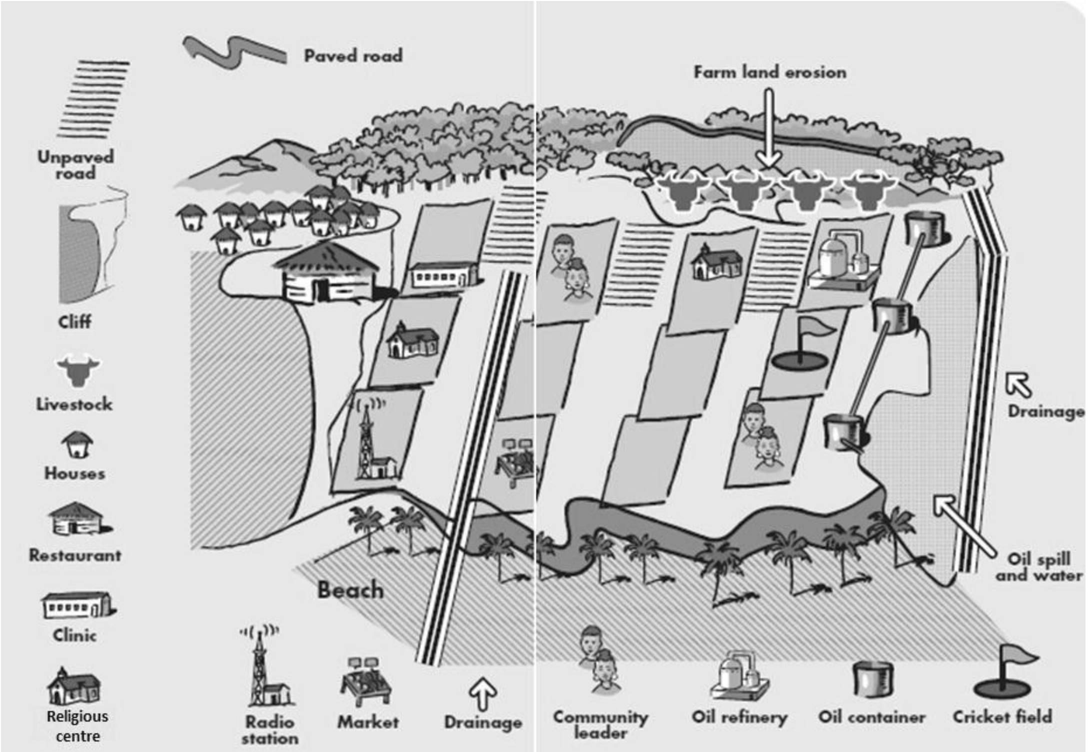

चित्र 1 सामुदायिक नक्शे का एक उदाहरण।

पाठ 2: समुदाय में मिल-जुल कर रहना

अगले सप्ताह मैंने समझाया कि अब हम समुदाय में रहने के अर्थ पर विचार करेंगे। कई सहपाठियों के साथ काम करने और सीखने के लिए अपने छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए, मैंने उनको ऐसे लोगों से अलग समूहों में बाँटा, जिनके साथ उन्होंने पहले काम किया था।

मैंने प्रत्येक समूह को एक बड़ा काग़ज़ दिया, जिस पर मैंने एक प्रश्न लिखा था। ये रहे प्रश्न जो मैंने उन्हें दिए:

1. हमारे समुदाय में बच्चे मिल-जुल कर किस प्रकार के काम करते हैं?
2. हमारे समुदाय में महिलाएँ मिल-जुल कर किस प्रकार के काम करती हैं?
3. हमारे समुदाय में पुरुष मिल-जुल कर किस प्रकार के काम करते हैं?
4. किस प्रकार के कामों में पुरुष, महिलाएँ और बच्चे एक साथ शामिल रहते हैं?
5. हमारे समुदाय में अगर कोई बीमार पड़ जाए, तो लोग किस प्रकार उसकी मदद करते हैं?
6. जब हमारे समुदाय में कोई व्यक्ति मर जाता है तो लोग क्या करते हैं?

मैंने प्रत्येक समूह के सदस्यों से उन्हें आबंटित प्रश्न पर 20 मिनटों के लिए अपने विचारों को चित्र के साथ नोट्स सहित दर्शाते हुए चर्चा करने को कहा।

जब समूहों ने कार्य समाप्त किया, तो मैंने उनके चित्रों को दीवार पर सजाया। फिर मैंने उनके समूह से किसी एक को बाक़ी कक्षा के साथ अपने विचार साझा करने के लिए नामांकित करने को कहा। इससे बेहद रोचक चर्चा चली, जिसमें हमने एक बड़े समुदाय के भीतर उप-समुदाय की धारणा पर विचार किया और ऐसे उप-समुदायों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के स्वरूपों का पता लगाया।

पाठ 3: सामुदायिक जीवन के लाभ और हानियाँ

मैंने अपने छात्रों को निम्नलिखित प्रश्नों को कॉपी करने और अपने गृह-कार्य के लिए उनके उत्तर पर नोट्स तैयार करने को कहा।

- समुदाय में रहने के क्या लाभ हैं?
- इससे क्या हानि हो सकती है?
- समुदाय में अलग-थलग महसूस करने वाले लोगों को अधिक एकीकृत करने में किस प्रकार मदद की जा सकती है?

अगले दिन, मैंने अपने छात्रों की जोड़ियाँ बनाई और उनसे एक दूसरे के साथ अपने गृह-कार्य पर चर्चा करने को कहा। इसके बाद **पूरी** कक्षा के साथ विचार-विमर्श किया जिसमें मैंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि जिन लोगों ने पहले योगदान नहीं दिया था उन्हें बोलने का मौक़ा मिले।

चित्र 2 कक्षा में जोड़ियों में कार्य।

पाठ 4: सामुदायिक सरकार

हमने यह पाठ गाँव के उन सभी लोगों को सूचीबद्ध करते हुए शुरू किया, जो जिम्मेदार पदों पर नियुक्त थे और उनकी जिम्मेदारियाँ क्या हैं, इस पर विचार किया। मेरे छात्रों ने मेरे जैसे शिक्षकों सहित, विभिन्न भूमिकाओं वाले कई भिन्न लोगों का नाम लिया।

ब्लैक-बोर्ड पर स्वयं उनके विचार न लिखकर, मैंने दो को स्वेच्छा से बारी-बारी से लिखने के लिए आमंत्रित किया। वे इस काम को करने में बेहद गर्व महसूस कर रहे थे और इस प्रक्रिया में उन्होंने अपनी बेहतरीन लिखावट का उपयोग किया। यदि उनकी वर्तनी में त्रुटियाँ थीं, तो उनके सहपाठियों ने सुधार सुझाया।

फिर मैंने कक्षा को जोड़ियों में विभाजित किया और उन्हें दो और प्रश्नों पर विचार करने के लिए 15 मिनट दिए:

- हमारे समुदाय में लोग सहयोग करते हैं, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी किसकी है?
- जब लोग किसी विषय पर असहमत होते हैं तो क्या होता है? उनके विवादों को निपटाने में कौन मदद करता है?

इसके बाद पूरी कक्षा में जो चर्चा चली, उसमें हमने समुदाय के हितों की देखरेख करने वाली प्रणाली के रूप में स्थानीय सरकार की अवधारणा के बारे में बात की और उन प्रक्रियाओं सहित, हमारे गाँव में इसके काम करने के तरीक़े की जाँच की, जिसमें समुदाय के सदस्य इस प्रकार की जिम्मेदारियों को उठाते हैं।

अंत में, मैंने अपने छात्रों को इस बात पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया कि समुदाय में अधिक सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए वे

क्या कर सकते हैं। मैंने उनमें से प्रत्येक को एक काग़ज़ का टुकड़ा दिया जिस पर उनमें से प्रत्येक ने एक वाक्य लिखा, जिसे वे चाहें तो सचित्र व्यक्त कर सकते थे। फिर मैंने वाक्यों को दीवार पर प्रदर्शित किया ताकि हर कोई देख सके

शुरुआत में मैं थोड़ा नर्वस थी कि क्या मेरे छात्र अपने स्थानीय समुदाय पर प्रोजेक्ट में रुचि लेंगे। वैसे मुझे फ़िक्र करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। विषय से कई रोचक, विचारशील योगदान सामने आए, उनमें से कुछ ऐसे छात्रों से थे जो आम तौर पर काफ़ी शांत रहते थे। मुझे भी चारों पाठों में विभिन्न जोड़ियों तथा समूहों में नज़र आने वाले सहयोग और सम्मान के स्तर को देख कर ख़ुशी हुई।

विचार के लिए रुकें

ऊपर वर्णित प्रत्येक पाठ के लिए, निम्नलिखित प्रश्नों पर विचार करें:

- सुश्री रक्षी के छात्रों ने किस प्रकार की भाषा और साक्षरता कौशल का उपयोग किया?
- उनके छात्र नागरिकता के किन पहलुओं को सीख रहे थे?
- क्या पाठों की विषयवस्तु के बारे में आपको किसी चीज़ ने आश्चर्यचकित किया?
- क्या कोई ऐसे विचार हैं जिन्हें आप अपने स्वयं की कक्षा में आज़माना चाहेंगे?

2 नागरिकता **प्रोजेक्ट** की योजना तैयार करना

जैसा कि केस स्टडी 1 दर्शाता है, विषयगत परियोजना में कई सप्ताह की अवधि में असंख्य पाठ विस्तृत होना अभीष्ट है। इस यूनिट की शेष गतिविधियों का अभिप्राय ऐसी नागरिकता प्रोजेक्ट की योजना के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शक बनना है जिसमें आपकी कक्षा के लिए भाषा-और-साक्षरता संबंधी उद्देश्य शामिल हैं। गतिविधि छह भागों में विभाजित है (गतिविधियाँ 2–7)। पहले गतिविधि को सावधानी से पूरी तरह पढ़ें और अपने चयनित विषय पर आगे बढ़ते हुए अंश वार उस पर काम करें।

गतिविधि 2: प्रोजेक्ट के लिए विषय को पहचानना

किसी सहकर्मी के साथ, अपनी कक्षा के लिए नागरिकता संबंधी संभाव्य विषयों की सूची तैयार करें। आपकी सूची आपके स्कूल और समुदाय के संदर्भ में अनुकूलित किए जाने की संभावना है; तथापि, हमने नीचे कुछ विषय सुझाए हैं:

- स्कूल को और अधिक आकर्षक बनाने के तरीक़े
- गाँव को स्वच्छ रखना
- गाँव में नवजात शिशुओं या बुज़ुर्गों के लिए कंबल प्राप्त कराना
- समुदाय में एकाकी, विकलांग और बीमार लोगों की सहायता करना
- किसी स्थानीय ध्येय के लिए पैसा जुटाने हेतु वस्तुओं की बिक्री आयोजित करना
- स्थानीय आँगनवाड़ियों, स्कूलों या घरों के लिए बच्चों की क़िताबें संग्रहीत करना
- अनुपयोगी काग़ज़, आहार या घरेलू मदों का पुर्नचक्रण या रिसाइकलिंग
- कचरा फेंकने की स्थानीय समस्याओं का समाधान करना
- ऊर्जा की बचत

- जल संरक्षण
- जल-जनित रोगों की रोकथाम
- महिला स्वास्थ्य-चर्या कार्यकर्ताओं की अधिक भर्ती सहित, युवतियों और महिलाओं के लिए स्वास्थ्य सेवा में सुधार
- छात्रों की तुलना में छात्राओं का घरेलू काम करना और बाहर स्वतंत्र रूप से न खेल पाना
- विलुप्त होने वाले जानवरों के शिकार की समस्या
- पर्यावरण पर वर्तमान और भावी जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
- स्थानीय अल्पसंख्यक भाषाओं के उपयोग को बढ़ावा देना।

आपकी सूची के कौन-से विषय आपके और आपकी कक्षा के लिए सर्वाधिक उपयुक्त होंगे?

अपना निर्णय लेते समय आपने जिन कारकों पर विचार किया होगा, उनमें से कुछ हैं:

- क्या विषय आपके सभी छात्रों की उम्र के लिए उपयुक्त, प्रासंगिक और दिलचस्प हैं
- वे आपके स्कूल के पाठ्यक्रम की विषयवस्तु से कितने मिलते-जुलते हैं
- वे गणित, पर्यावरण अध्ययन, विज्ञान, या सामाजिक विज्ञान जैसे - किन विषयों में समाविष्ट होते हैं
- क्या विषय अधिक संवेदनशील या विवादास्पद हैं
- आप अपनी कक्षा में उनकी छान-बीन के लिए स्वयं को कितने आश्वस्त और सुविधाप्रद मानते हैं।

अब भाषा-और-साक्षरता संबंधी अवसरों की सूची बनाएँ, जिनसे आपके चयनित विषय जुड़े हुए हैं। ये रहे कुछ सुझाव जिनसे आप शुरुआत कर सकते हैं:

- मुद्दों और उनके कारणों को समझने के लिए समाचार-पत्र या अन्य पाठ पढ़ना
- किसी स्थानीय व्यक्ति का साक्षात्कार
- वाद-विवाद का आयोजन
- किसी राजनीतिज्ञ या अख़बार के संपादक को कक्षा से पत्र लिखना
- सूचना-पत्र या पोस्टर तैयार करना और वितरित करना
- एक जागरूकता अभियान का आयोजन करना, याचिका की शुरुआत करना या धन जुटाने की पहल पर विचार करना
- स्कूल के अन्य छात्रों या स्थानीय समुदाय के सदस्यों को प्रस्तुत करने के लिए किसी मुद्दे पर नाटक लेखन।

3 नागरिकता परियोजना में अपने छात्रों को संलग्न करना

चाहे आप अपने छात्रों को स्वयं विषय का सुझाव देने के लिए आमंत्रित करें, उन्हें चुनने के लिए विषय दें, या अपनी पसंद का कोई विषय प्रस्तावित करें, कक्षा परियोजना में आपके छात्रों को उलझाने की प्रक्रिया का एक अंश, उनके सुझावों और विचारों को सुनना और उस पर प्रतिक्रिया करना भी शामिल है।

विषय के विकल्प के बारे में भले ही आपका कोई भी दृष्टिकोण रहा हो, अपने छात्रों के साथ नागरिकता की अवधारणा पर चर्चा से शुरुआत करना उपयोगी होगा।

गतिविधि 3: नागरिकता परियोजना में अपने छात्रों को संलग्न करना

अपने छात्रों को समझाएँ कि वे कक्षा परियोजना पर कार्य करने वाले हैं और आप इस बात पर उनके सुझाव चाहते हैं कि उसमें किन्हें शामिल किया जा सकता है। कक्षा को समूहों में व्यवस्थित करें। प्रत्येक समूह को काग़ज़ का एक टुकड़ा दें जिस पर उनकी चर्चा का संकेत देने वाला कोई प्रश्न या चयन के लिए विषय हों – उदाहरण के लिए:

- हम किन मायनों में अपने स्कूल को अधिक आकर्षक बना सकते हैं?
- हम अपने गाँव को किस प्रकार सुधार सकते हैं?

प्रत्येक छात्र से चर्चा के लिए कम से कम एक विचार का योगदान देने के लिए कहें और उसे काग़ज़ के टुकड़े पर लिख लें। जब समय समाप्त हो, तब प्रत्येक समूह से स्‍ वयंसेवकों को कक्षा के समक्ष फ़ीडबैक देने के लिए आमंत्रित करें। यह सुनिश्चित करते हुए ब्लैक-बोर्ड पर विचार लिखें कि हर कोई अपने सहपाठियों के सुझावों को सम्मानपूर्वक सुनता है।

जब सूची पूरी हो जाए, तब छात्रों से अपने समूहों में विचार-विमर्श करने के लिए कहें कि उन्हें कौन-से विचार बेहद पसंद आए। यदि उपयुक्त हो, तो पूरी कक्षा में इस पर मतदान करवाएँ।

इस प्रकार की चर्चाओं के माध्यम से, आपके छात्रों में उनसे संबंधित मुद्दों पर सोचने, मतदान करने, और सहमत होने जैसे नागरिकता कौशल विकसित होंगे। वे सुनने, चर्चा करने, नोट्स लेने और शेष कक्षा के समक्ष फ़ीडबैक देने के माध्यम से भाषा और साक्षरता कौशल विकसित करेंगे। पूरी परियोजना के दौरान शिक्षण के इन दो पहलुओं का पालन करना होगा।

विचार के लिए रुकें

अपने छात्रों के साथ यह गतिविधि करके आपने उनके बारे में क्या जाना?

कक्षा शिक्षण में सभी छात्रों को सम्मिलित करने के बारे में अधिक विचारों के लिएए संसाधन 2 देखें।

वीडियो: सभी को शामिल करना

परियोजना के लिए जानकारी के स्रोतों को पहचानना

परियोजना में अगला चरण है विषय के बारे में जानने के तरीके सुझाने के लिए अपने छात्रों को आमंत्रित करना।

गतिविधि 4: विषय पर शोध

उनके द्वारा ब्लैक-बोर्ड पर प्रस्तावित जानकारी के सभी स्रोतों को नोट करें। इनमें स्कूल की पाठ्यपुस्तकें, पुस्तकालय, अख़बार, इंटरनेट, स्वास्थ्य केंद्र, पोस्टर, सूचना-पत्रक, स्थानीय सरकारी कार्यालय या स्थानीय लोग शामिल हो सकते हैं।

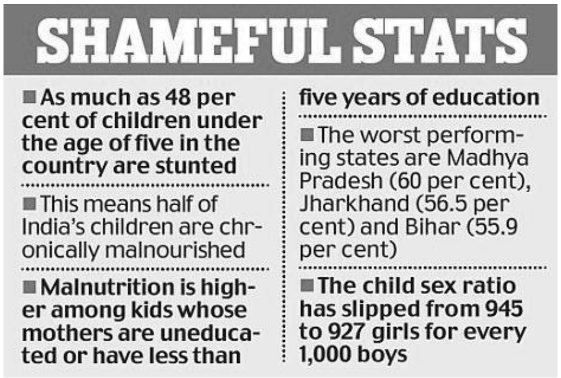

SHAMEFUL STATS

- As much as 48 per cent of children under the age of five in the country are stunted
- This means half of India's children are chronically malnourished
- Malnutrition is higher among kids whose mothers are uneducated or have less than five years of education
- The worst performing states are Madhya Pradesh (60 per cent), Jharkhand (56.5 per cent) and Bihar (55.9 per cent)
- The child sex ratio has slipped from 945 to 927 girls for every 1,000 boys

चित्र 3 सूचना स्रोत: एक अख़बार (ऊपर बाएँ), स्थानीय लोग (ऊपर दाएँ) और पोस्टर (नीचे बाएँ और दाएँ)।

उदाहरण के लिए, यदि आपके छात्र जल-जनित रोगों के बारे में जानने का चयन करते हैं, तो वे पूर्व व्यवस्था और अनुमति लेकर किसी स्थानीय जल-शोधन साइट पर जा सकते हैं और किसी जल नियामक का साक्षात्कार ले सकते हैं। वैकल्पिक रूप से वे जल-शोधन और सुरक्षा पर सलाह के लिए किसी सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल का दौरा कर सकते हैं। वे यह जानने के लिए सूचना-पत्रकों से भी परामर्श हासिल कर सकते हैं कि जल-जनित रोगों से स्वयं को बचाने के लिए परिवारों को क्या करना चाहिए।

चाहे इसमें अख़बार, क़िताबें, पोस्टर या सूचना पत्रकों को पढ़ना, स्थानीय विशेषज्ञों से बातचीत करना, और पढ़ी, देखी और सुनी गई बातों पर नोट्स लेना शामिल हो, इस प्रकार के शोध में विविध भाषा और साक्षरता कौशल सम्मिलित होगी।

4 नागरिकता परियोजना रूपरेखा

गतिविधि 4: परियोजना की रूपरेखा और समय निर्धारण

परियोजना की एक विस्तृत योजना तैयार करें। इसके लिए कई स्तंभों वाला तालिका प्रारूप अच्छी तरह काम करेगा।

- आप जिन गतिविधियों को परियोजना में शामिल होने की प्रत्याशा कर रहे हैं उन सभी को सूचीबद्ध करने के साथ शुरुआत करें।
- प्रत्येक गतिविधि के बग़ल में उसके द्वारा पेशकश किए जाने वाले भाषा और शिक्षण अवसरों को नोट करें।
- तय करें कि कौन-सी गतिविधियाँ पूरी कक्षा द्वारा की जाएँगी और कौन-सी गतिविधियाँ छोटे समूहों में वितरित करने के अनुकूल हैं।
- नोट करें कि प्रत्येक गतिविधि के लिए अग्रिम रूप से व्यवस्था करने के लिए आपको किन चीज़ों की ज़रूरत होगी। इसमें किन्हीं विशेष संसाधनों को एकत्रित करना, स्थानीय विशेषज्ञों से संपर्क करना या कक्षा के दौरों के लिए अनुमति प्राप्त करना शामिल हो सकता है। प्रत्येक मामले में, विचार करें कि आपको तैयारी के लिए कितने समय की ज़रूरत होगी।
- अब अगले कुछ सप्ताह में आपके द्वारा चिह्नित विभिन्न गतिविधियों को आवृत करने वाले पाठों की शृंखला की योजना तैयार करें और उनका उचित क्रम में अनुक्रमण करें।
- जब आपका काम पूरा हो जाए, पाठ्यक्रम के अन्य विषय क्षेत्रों के साथ उसकी अनुकूलता पर विचार करते हुए, प्रत्येक पाठ को अपने शिक्षण समय-सारणी में निर्धारित करें। किन्हीं अप्रत्याशित परिस्थितियों को समायोजित करने के लिए आप अपनी समय-अनुसूची में थोड़ा अधिक समय अनुमत कर सकते हैं।
- यदि उपयोगी हो तो अपने किसी सहकर्मी के साथ इस योजना प्रक्रिया को साझा करें।

हो सकता है आपको मुख्य संसाधन 'पाठों की योजना' पढ़ना मददगार लगे।

वीडियो: पाठों का नियोजन करना

5 अपने छात्रों के शिक्षण को प्रस्तुत करने के तरीक़े

गतिविधि 6: आपके छात्रों के शिक्षण की प्रस्तुति

परियोजना की अवधि के दौरान छात्रों द्वारा अपने शिक्षण को प्रस्तुत और साझा करने के अनेक तरीक़े हैं। चाहे व्यक्तिगत रूप से हो या सहयोगात्मक रूप से, यह एक लिखित रिपोर्ट, पोस्टर, कलाकृति, प्रदर्शन, गाने, कहानियाँ और कविताएँ, या सामुदायिक कार्रवाई का स्वरूप ग्रहण कर सकता है।

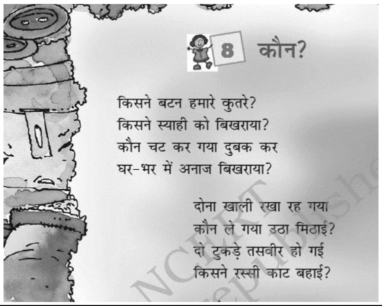

चित्र 4 आपके छात्रों के शिक्षण को प्रस्तुत करने के विभिन्न तरीके: पोस्टर (ऊपर बाएँ), सामुदायिक कार्रवाई (ऊपर बीच में), लिखित पाठ (ऊपर दाएँ), कलाकृति (नीचे बाएँ) और प्रदर्शन (नीचे दाएँ)।

आपके छात्र अपने शिक्षण को प्रधानाचार्य और स्कूल के स्टाफ़, माता-पिता, गाँव के बुजुर्ग लोग, पंचायत राज या सरपंच, या किसी राष्ट्रीय सरकार के प्रतिनिधि के समक्ष प्रस्तुत करना चाह सकते हैं। आप अपने छात्रों को किसी अख़बार के लिए पत्र या रिपोर्ट लिखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, ताकि व्यापक दर्शक उनके शिक्षण के बारे में पढ़ सकें। जहाँ संभव हो, इस परियोजना में संलग्न अपने छात्रों की फ़ोटो लें ताकि उन्हें प्रदर्शित और दूसरों के साथ साझा कर सकें।

गतिविधि 7: आपके छात्रों के शिक्षण के बारे में विचार करना

आपके विचार में विषयगत परियोजना पर कार्य करके आपके छात्रों ने नागरिकता के बारे में क्या सीखा? क्या आपने पाया कि उन्होंने निम्न में से किसी के बारे में जाना और समझा है?

- लोकतंत्र, न्याय और समानता
- ज्वलंत विषय जो उनके लिए या उनके समुदाय के लिए महत्वपूर्ण हैं
- वैश्विक समुदाय के सदस्यों के रूप में स्वयं के बारे में जागरूकता
- दूसरों के साथ गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार
- सक्रिय बनना
- एक दूसरे को परामर्श
- एक दूसरे की प्रतिरक्षा।

इस अवधि में आपने अन्य किन नागरिकता से संबंधित ज्ञान और समझ का अवलोकन किया, और कैसे आप अपने सभी छात्रों के लिए इस जानकारी को प्रगति और विकास चार्ट में प्राप्त कर सकते हैं?

विषयगत परियोजना के माध्यम से भाषा और साक्षरता के बारे में आपके छात्रों ने क्या सीखा? क्या आपने इनमें से किसी कौशल का उपयोग करते हुए उनका अवलोकन किया?

- जानकारी के लिए पढ़ना
- इस बारे में लिखना कि उन्होंने क्या पढ़ा, सुना या देखा
- साक्षात्कार तकनीक
- जानकारी का मूल्यांकन

- राय अभिव्यक्त करना
- सम्मानपूर्वक बहस
- प्रस्तुतिकरण
- ग़ैर-मौखिक संप्रेषण।

आप अपने सभी छात्रों को उनकी दिलचस्पियों और क्षमताओं के अनुसार विषयगत परियोजना में सम्मिलित करने में किस प्रकार सक्षम रहे?

किन तरीक़ों से आपने दर्शाया कि आपके लिए उन सबका योगदान महत्वपूर्ण है, और क्या किन्हीं छात्रों ने ऐसा योगदान दिया जिसकी आपको उम्मीद नहीं थी?

6 सारांश

इस यूनिट में योजना की रूपरेखा दी गई है, ताकि आप ऐसी विषयगत परियोजना तैयार और क्रियान्वित करने में सक्षम हों जो एक ओर अच्छी नागरिकता के साथ जुड़े मूल्यों के विकास को, और दूसरी ओर भाषा और साक्षरता के उद्देश्यों को, कई सप्ताह तक पाठों की शृंखलाओं के माध्यम से विषय संबंधी ज्ञान प्राप्ति के साथ समाहित करे। अनुसंधान, चर्चा, प्रेक्षण और प्रसार से जुड़े कल्पनाशील, सहयोगी, समुदाय केंद्रित गतिविधियों में संलग्न होकर, छात्र ऐसे शिक्षण अनुभवों से जुड़ी सकारात्मक यादों को बनाए रखते हुए बौद्धिक और सामाजिक रूप से लाभान्वित होते हैं। इन जैसी परियोजनाओं को किसी भी स्तर के छात्रों के अनुरूप रूपांतरित किया जा सकता है, और जब आप उनकी योजना तैयार कर लें, तब आप साल दर साल अपनी योजना का उपयोग और उसे विकसित कर सकते हैं। यदि आपके पास परियोजना की योजना और कार्यान्वयन को किसी अन्य सहयोगी के साथ साझा करने का अवसर है, तो आप इस प्रक्रिया को विशेष रूप से प्रतिफल देने वाला पाएँगे।

संसाधन

संसाधन 1: भारत में नागरिकों के मौलिक कर्तव्य

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि:

a. संविधान का पालन करें और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान का सम्मान करें।
b. स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों को मन में संजोएँ और उनका पालन करें;
c. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखें तथा उसकी रक्षा करें;
d. देश की रक्षा करें और ऐसा करने के लिए आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करें;
e. धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या दलीय विविधताओं से परे भारत के सभी लोगों के बीच सद्भाव और सामान्य भाईचारे की भावना को बढ़ावा दें;
   महिलाओं की गरिमा के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करें;
f. हमारी मिश्रित संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व दें और उसका संरक्षण करें;
g. जंगलों, झीलों, नदियों और वन्य जीवन सहित प्राकृतिक परिवेश का संरक्षण और सुधार करें, और जीवित जीव-जंतुओं के प्रति दया भाव रखें;
h. वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद और जाँच तथा सुधार की भावना का विकास करें।
i. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करें और हिंसा छोड़ें;
j. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करें, ताकि राष्ट्र लगातार प्रयास और उपलब्धि के उच्च स्तरों तक बढ़ता जाए

(स्रोत: गृह विभाग, बिहार सरकार, अदिनांकित)

संसाधन 2: सभी को शामिल करना

'सबको शामिल करें' का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। विद्यार्थियों की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएं अलग-अलग होती हैं। विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन भिन्नताओं को नज़रअंदाज नहीं कर सकते; वास्तव में, हमें उनका उत्सव मनाना चाहिए, क्योंकि वे एक दूसरे और हमारे अपने अनुभव से परे दुनिया के बारे में अधिक जानने का जरिया बन सकते हैं। सभी छात्रों को शिक्षा पाने और सीखने का अधिकार है चाहे उनकी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि कुछ भी हो, और इसे भारतीय कानून और अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता दी गई है। 2014 में राष्ट्र को अपने पहले संदेश में, प्रधानमंत्री मोदीजी ने जाति, लिंग या आय पर ध्यान दिए बिना भारत के सभी नागरिकों का सम्मान करने के महत्व पर जोर दिया। इस संबंध में स्कूलों और शिक्षकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के दूसरों के बारे में पूर्वाग्रह और दृष्टिकोण होते हैं जिन्हें हो सकता है हमने नहीं पहचाना है या संबोधित नहीं किया है। एक अध्यापक के रूप में, आप में हर छात्र की शिक्षा के अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति है। चाहे जानबूझ कर या अनजाने में, आपके अंतर्निहित पूर्वाग्रह और दृष्टिकोण इस बात को प्रभावित करेंगे कि आपके छात्र कितने समान रूप से सीखते हैं। आप अपने छात्रों के साथ असमान बर्ताव से बचने के लिए कदम उठा सकते हैं।

शिक्षा में सबको शामिल करना सुनिश्चित करने के तीन मुख्य सिद्धांत

- **देखना:** प्रभावी शिक्षक चौकस, सचेतन और संवेदी होते हैं; वे अपने छात्रों के परिवर्तनों को देखते हैं। यदि आप चौकस हैं, तो आप *देखेंगे* कि किसी छात्र ने कब कोई चीज अच्छी तरह से की है, उसे कब मदद की जरूरत है और वह कैसे दूसरों से संबद्ध होता है। आप अपने छात्रों के परिवर्तनों को भी समझ सकते हैं, जो उनके घर की परिस्थितियों या अन्य समस्याओं में परिवर्तनों को प्रतिबिंबित कर सकते हैं। सबको शामिल करने के लिए आवश्यक है कि आप अपने छात्रों से दैनिक आधार पर मिलें, और उन छात्रों पर विशेष ध्यान दें जो अधिकारहीन महसूस कर सकते हैं या भाग लेने में अक्षम होते हैं।
- **आत्म-सम्मान पर संकेंद्रण:** अच्छे नागरिक वे होते हैं जो उसके साथ सहज रहते हैं जो वे हैं। उनमें आत्म-सम्मान होता है, वे अपनी ताकतों और कमज़ोरियों को जानते हैं, और उनमें पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना अन्य लोगों के साथ सकारात्मक संबंध बनाने की क्षमता होती है। वे अपने आपका सम्मान करते हैं और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक अध्यापक के रूप में, आप किसी युवा व्यक्ति के आत्म-सम्मान पर उल्लेखनीय प्रभाव डाल सकते हैं; उस शक्ति को जानें और उसका उपयोग हर छात्र के आत्म-सम्मान को बढ़ाने के लिए करें।
- **लचीलापन:** यदि आपकी कक्षा में कोई चीज विशिष्ट छात्रों, समूहों या व्यक्तियों के लिए उपयोगी नहीं है, तो अपनी योजनाओं को बदलने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीला होना आपको समायोजन करने में सक्षम करेगा ताकि आप सभी छात्रों को अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करें।

वे दृष्टिकोण जिनका उपयोग आप हर समय कर सकते हैं

- **अच्छे व्यवहार का अनुकरण बनना:** जातीय समूह, धर्म या लिंग की परवाह किए बिना, अपने छात्रों के साथ अच्छा बर्ताव करके उनके लिए एक उदाहरण बनें। सभी छात्रों से सम्मान के साथ व्यवहार करें और अपने अध्यापन के माध्यम से स्पष्ट कर दें कि आपके लिए सभी छात्र बराबर हैं। उन सबके साथ सम्मान के साथ बात करें, जहाँ उपयुक्त हो उनकी राय को ध्यान में रखें और उन्हें हर एक को लाभ पहुँचाने वाले काम करके कक्षा की जिम्मेदारी लेने को प्रोत्साहित करें।
- **ऊँची अपेक्षाएं:** योग्यता स्थिर नहीं होती है; यदि समुचित समर्थन मिले तो सभी छात्र सीख और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी छात्र को उस काम को समझने में कठिनाई होती है जो आप कक्षा में कर रहे हैं, तो यह न समझें कि वह कभी भी समझ नहीं सकेगा। अध्यापक के रूप में आपकी भूमिका यह सोचना है कि हर छात्र के सीखने में किस सर्वोत्तम ढंग से मदद करें। यदि आपको अपनी कक्षा में हर एक से उच्च अपेक्षाएं हैं, तो आपके छात्रों के यह समझने की अधिक संभावना है कि यदि वे लगे रहे तो वे सीख जाएंगे। उच्च अपेक्षाएं बर्ताव पर भी लागू होनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और कि छात्र एक दूसरे के साथ सम्मान के साथ व्यवहार करते हैं।

- **अपने अध्यापन में विविधता लाएं:** छात्र विभिन्न तरीकों से सीखते हैं। कुछ छात्र लिखना पसंद करते हैं; अन्य अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए मस्तिष्क में मानचित्र या चित्र बनाना पसंद करते हैं। कुछ छात्र अच्छे श्रावक होते हैं; कुछ सबसे अच्छा तब सीखते हैं जब उन्हें अपने विचारों के बारे में बात करने का अवसर मिलता है। आप हर समय सभी छात्रों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते, लेकिन आप अपने अध्यापन में विविधता ला सकते हैं और छात्रों को उनके द्वारा की जाने वाली सीखने की कुछ गतिविधियों के विषय में किसी विकल्प की पेशकश कर सकते हैं।
- **शिक्षा को दैनंदिन के जीवन से जोड़ें:** कुछ छात्रों के लिए, आप उन्हें जो कुछ सीखने को कहते हैं, वह उनके दैनंदिन के जीवन के प्रति अप्रासंगिक लगता है। आप इसे यह सुनिश्चित करके संबोधित कर सकते हैं कि जब भी संभव हो, आप शिक्षण-प्रक्रिया को उनके लिए प्रासंगिक परिवेश से संबंधित करें और उनके अपने अनुभवों से उदाहरण लें।
- **भाषा का उपयोग:** जिस भाषा का आप उपयोग करते हैं उसके बारे में सावधानी से सोचें। सकारात्मक भाषा और प्रशंसा का उपयोग करें, और छात्रों का तिरस्कार न करें। हमेशा उनके बर्ताव पर टिप्पणी करें और उन पर नहीं। 'आप आज मुझे कष्ट दे रहे हैं' बहुत निजी लगता है और इसे इस तरह बेहतर ढंग से व्यक्त किया जा सकता है, 'मैं आज आपके बर्ताव को कष्टप्रद पा रहा हूँ। क्या आपको किसी कारण से ध्यान देने में कठिनाई हो
  रही है?' जो काफी अधिक मददगार है।
- **घिसी-पिटी बातों को चुनौती दें:** ऐसे संसाधनों की खोज और उपयोग करें जो लड़कियों को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाओं में दर्शाते हैं या अनुकरणीय महिलाओं, जैसे वैज्ञानिकों को स्कूल में आमंत्रित करें। अपनी स्वयं की लैंगिक रूढ़िवादिता के प्रति सजग रहें; हो सकता है आप जानते हैं कि लड़कियाँ खेल खेलती हैं और लड़के ख्याल रखते हैं, लेकिन हम अक्सर इसे भिन्न तरीके से व्यक्त करते हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि हम समाज में इस तरह से बात करने के आदी होते हैं।
- **एक सुरक्षित, स्वागत करने वाले शिक्षा के वातावरण का सृजन करें:** यह जरूरी है कि सभी विद्यार्थी स्कूल में सुरक्षित और वाँछित महसूस करें। हर एक से परस्पर सम्मानपूर्ण और मित्रवत बर्ताव को प्रोत्साहित करके आप अपने छात्र को वाँछित महसूस कराने की स्थिति में होते हैं। इस बारे में सोचें कि स्कूल और कक्षा अलग अलग छात्रों को कैसी दिखाई देगी और महसूस होगी। इस विषय में सोचें कि उनसे कहाँ बैठने को कहा जाएगा और सुनिश्चित करें कि दृष्टि या श्रवण संबंधी दुर्बलताओं या शारीरिक विकलांगताओं वाले छात्र ऐसी जगह बैठें जहाँ से पाठ उनके लिए सुलभ होता हो। निश्चित करें कि जो छात्र शर्मीले हैं या आसानी से विचलित हो जाते हैं वे ऐसे स्थान पर हों जहाँ आप उन्हें आसानी से शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट अध्यापन दृष्टिकोण

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जो सभी छात्रों को शामिल करने में आपकी सहायता करेंगे। इनका अन्य प्रमुख संसाधनों में अधिक विस्तार से वर्णन किया गया है, लेकिन एक संक्षिप्त परिचय यहाँ प्रस्तुत है:

- **प्रश्न पूछना:** यदि आप छात्रों को अपने हाथ उठाने को आमंत्रित करते हैं, तो वे लोग ही उत्तर देने का प्रयत्न करते हैं। अधिक छात्रों को उत्तरों के बारे में सोचने और प्रश्नों का जवाब देने में शामिल करने के अन्य तरीके हैं। आप प्रश्नों को विशिष्ट लोगों की ओर निर्देशित कर सकते हैं। कक्षा को बताएं कि आप तय करेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर सामने बैठे लोगों की बजाय कमरे के पीछे और पार्श्वों में बैठे लोगों से पूछें। छात्रों को 'सोचने का समय' दें और विशिष्ट लोगों से योगदान आमंत्रित करें। आत्मविश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का उपयोग करें ताकि आप समग्र-कक्षा चर्चाओं में हर एक को शामिल कर सकें।
- **आकलन:** रचनात्मक आकलन के लिए ऐसी तकनीकों की शृंखला का विकास करें जो हर छात्र को अच्छी तरह से जानने में आपकी मदद करेंगी। छिपी हुई प्रतिभाओं और कमियों को उजागर करने के लिए आपको सृजनात्मक होना पड़ेगा। रचनात्मक आकलन उन अनुमानों, जिन्हें कतिपय छात्रों और उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्यीकृत दृष्टिकोणों से आसानी से बनाया जा सकता है, के बजाय सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत जरूरतों के प्रति अनुक्रिया करने के लिए अच्छी स्थिति में होंगे।
- **समूहकार्य और जोड़ी में कार्य:** सभी को शामिल करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए सावधानी से अपनी कक्षा को समूहों में बाँटने या जोड़ियाँ बनाने के तरीकों के बारे में सोचें और छात्रों को एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करें। सुनिश्चित करें कि सभी छात्रों को एक दूसरे से सीखने और वे जो जानते हैं उसमें आत्मविश्वास का निर्माण करने का अवसर मिले। कुछ छात्रों में छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने का आत्मविश्वास होता है, लेकिन संपूर्ण कक्षा के सम्मुख नहीं।
- **विभेदन:** अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य तय करने से छात्रों को जहाँ वे हैं वहाँ से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। खुले-सिरे वाले कामों को तय करने से सभी छात्रों को सफल होने का अवसर मिलेगा। छात्रों को कार्य का विकल्प प्रदान करने

से उन्हें अपने काम के स्वामित्व को महसूस करने और अपनी स्वयं की शिक्षण-प्रक्रिया के लिए दायित्व लेने में सहायता मिलेगी। व्यक्तिगत शिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखना, विशेष रूप से बड़ी कक्षा में, कठिन होता है, लेकिन विविध प्रकार के कामों और गतिविधियों का उपयोग करके ऐसा किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- 'Learning about rights in Year 2': http://globaldimension.org.uk/pages/8668
- National Policy on Education (1986 and 1992): http://www.childlineindia.org.in/pdf/National-Policy-on-Education.pdf
- National Curriculum for Elementary and Secondary Education (1988): http://www.teindia.nic.in/mhrd/50yrsedu/g/91/HL/toc.htm
- UNESCO language studies: http://www.unesco.org/education/tlsf/mods/theme_b/popups/mod06t04s04.html
- *Right Here, Right Now: Teaching Citizenship through Human Rights*, published by the UK Ministry of Justice, the British Institute of Human Rights, the UK Department for Children, Schools and Families, and Amnesty International UK: http://www.amnesty.org.uk/sites/default/files/book_-_right_here_right_now_0.pdf
- 'Language across curriculum' by Nisha Butoliya: http://www.teachersofindia.org/en/lesson-plan/language-across-curriculum
- UNICEF India: http://www.unicef.org/india/wes.html
- 'What is academic language?' by James Paul Gee, which includes further discussion of the issues raised in the introduction: http://www.jamespaulgee.com/sites/default/files/pub/TeachingSciencetoELL-Ch07.pdf
- *Democratic Citizenship, Languages, Diversity and Human Rights* by Hugh Starkey: https://www.coe.int/t/dg4/linguistic/Source/StarkeyEN.pdf

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Home Department, Govt of Bihar (undated) 'Fundamental Duties of the Citizens of India as per the Constitution of India' (online). Available from: http://home.bih.nic.in/Citizen_Guidelines/fundamental_duties_of_citizen.htm (accessed 29 October 2014).

Malone, S. (2010) *Activities for Early Grades of Mother Tongue (L1)-Based Multilingual Education Programs*. Dallas, TX: SIL International.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र 1: http://ww.ifrc.org [Figure 1: http://ww.ifrc.org]

चित्र 3: ऊपर बाएँ, 'Child growth stats show half of india's children are chronically malnourished' से रूपांतरित, प्रतुल शर्मा, 7 अक्तूबर 2012, मेल ऑनलाइन इंडिया, http://www.dailymail.co.uk; ऊपर दाएँ, http://www.saferinindia.org; नीचे बाएँ, http://happy-2013.blogspot.com/2014/05/; नीचे दाएँ, http://www.pakool.com.(Figure 3: top left, adapted from 'Child growth stats show half of india's children are chronically malnourished', Pratul Sharma, 7 October 2012, Mail Online India, http://www.dailymail.co.uk; top right, http://www.saferinindia.org; bottom left, http://happy-2013.blogspot.com/2014/05/; bottom right, http://www.pakool.com.)

चित्र 4: ऊपर बाएँ, http://www.childlineindia.org.in; ऊपर बीच में, http://newswatch.nationalgeographic.com; ऊपर दाएँ, http://ncert.nic.in; नीचे बाएँ, http://www.kidsfortigers.org; नीचे दाएँ, AFP=JIJI http://www.jijiphoto.jp.(Figure 4: top left, http://www.childlineindia.org.in; top middle, http://newswatch.nationalgeographic.com; top right, http://ncert.nic.in; bottom left, http://www.kidsfortigers.org; bottom right, AFP=JIJI http://www.jijiphoto.jp.)

संसाधन 1: http://home.bih.nic.in.(Resource 1: http://home.bih.nic.in.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन अध्यापक शिक्षकों, मुख्याध्यापकों, अध्यापकों और छात्रों के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।